C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सायं 5:18 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शनिवार
सुबह 6:35 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ



हल्द्वानी | वर्ष 19 अंक 131 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शुक्रवार, 13 नवंबर 2026

छठ से पहले रिलीज हुआ हिमेश...पेज-3 पर

News कॉर्नर

आईआईटी के छात्र ने फंदे से लटककर दी जान

रुड़की। रुड़की स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में देर रात एक छात्र की मौत से परिसर में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान गाजियाबाद निवासी आयुष के रूप में हुई है। छात्र का शव हॉस्टल के दूसरे तल पर स्थित कमरे में मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल रुड़की भिजवा दिया है। घटना की सूचना छात्र के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस के अनुसार, बीती रात करीब एक बजे आईआईटी रुड़की के सुरक्षा अधिकारी कुलदीप सिंह नेगी ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि गोविंद भवन में एक छात्र ने फंदा लगा लिया है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

राष्ट्रपति भवन में तैनात जवान पर हमले के आरोपी की पुलिस से मुठभेड़

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद दो वांछित संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन संदिग्धों पर राष्ट्रपति भवन में तैनात एक सुरक्षा गार्ड पर हमला करने का आरोप है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। यह घटना दिवाली की रात पड़ोसियों के बीच हुई गोलीबारी से संबंधित है। उस गोलीबारी में राष्ट्रपति भवन में तैनात सुरक्षा गार्ड सौरभ कुमार को गोली लग गई थी।

इस मामले में रमाला थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अधीक्षक पूर्णेंदु सिंह ने इस घटना की जानकारी दी है। पुलिस सौरभ कुमार पर हमला करने वाले धीरज और मोनू को तलाश कर रही थी। उन्हें पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आज रमाला पुलिस को सूचना मिली कि दोनों संदिग्ध गन्ने के एक खेत में छिपे हुए हैं। पुलिस ने तुरंत उस खेत को घेर लिया।

उत्तराखंड में आज से हल्की बारिश संग सर्द हवाएं बढ़ाएंगी ठंड

देहरादून
हमारे संवाददाता

ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार



कोहरे की आगोश में लिपटा नैनीताल, ठंड में इजाफा

प्रदेश में मौसम के करवट लेने से तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी के साथ चलने वाली ठंडी हवाएं मैदानी इलाकों में भी सर्दी का अहसास बढ़ाएंगी।

उत्तराखंड में आज 13 नवंबर से मौसम बदलने के आसार हैं। हल्की बारिश और हवाएं चलने से ठंड बढ़ने की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से देहरादून समेत टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है। जबकि 3200 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के भी आसार हैं। आने वाले दिनों की बात करें तो 15 जुलाई तक प्रदेश में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में होने वाली बर्फबारी का सीधा असर पर्वतीय इलाकों के साथ मैदानी इलाकों के तापमान में भी देखने को मिलेगा। हालांकि 16 और 17 नवंबर को मौसम शुष्क रहेगा। वहीं, बृहस्पतिवार के मौसम की बात करें तो

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में बीरवार को छाए घने कोहरे ने ठंड बढ़ा दी। मौसम के एकाएक बदले रुख को देखते हुए लोग आग व हीटर का सहारा लेने को मजबूर हो गए। बीरवार को नैनीताल नगर का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बता दें नैनीताल नगर में पिछले तीन दिन मौसम बेहद खुशनुमा बना हुआ था, मगर बीरवार को मौसम का रुख कुछ और ही नजर आया। सुबह हल्के बादल छाए हुए थे जिनके जल्द छंटने की उम्मीद थी लेकिन बादल घने होते चले गए और शाम को तीन बजे घना कोहरा छा गया। कोहरा छाने के साथ तापमान में गिरावट आ गई और ठंड में खासा बढ़ोतरी हो गई। लोग गर्म ऊनी कपड़ों के साथ हीटर का सहारा लेने को मजबूर हो गए वहीं देखते ही देखते शाम पांच बजे कोहरा छंटना शुरू हो गया और देर शाम पूरी तरह छंटते ही आसमान साफ हो गया। इसके बाद पाला गिरना शुरू हो गया।

देहरादून में दिन भर चटक धूप खिलने से सुबह-शाम के मुकाबले ठंड का अहसास बिल्कुल ना के बराबर रहा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री बढ़ोतरी के साथ 26.2 डिग्री रहा जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 13.7 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

छठ लोक आस्था और सूर्य उपासना का पावन अनुष्ठान

नई दिल्ली
एजेंसी

चार दिवसीय छठ महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू



चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार से शुरू हो गया है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के जरिए देशवासियों को बधाई दी और व्रत रखने वाले सभी लोगों को नमन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं की हैं। उन्होंने कामना की कि सबको छठी मइया का आशीर्वाद मिले। बता दें कि देशभर में आज से महापर्व छठ शुरू हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय पावन अनुष्ठान महापर्व छठ के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज नहाय-खाय है। सभी व्रतियों को मेरा नमन। सबको छठी मइया का आशीर्वाद मिले, यही कामना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी छठ पर्व के शुभारंभ पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, लोकआस्था, पवित्रता और अटूट श्रद्धा का महापर्व छठ आज नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ प्रारंभ हो रहा है। भगवान सूर्य की उपासना और छठी मैया की आराधना को समर्पित यह महापर्व हमारी समृद्ध आध्यात्मिक व सांस्कृतिक परंपरा का अनुपम प्रतीक है। उन्होंने लिखा, समस्त देशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। व्रत का संकल्प ले रहे सभी व्रतियों को मेरा सादर नमन और वंदन। छठी मैया और सूर्यदेव की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे व सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पोस्ट किया, लोक आस्था और सूर्य उपासना के पावन महापर्व छठ पूजा के प्रथम अनुष्ठान 'नहाय-खाय' की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस बार दिल्ली में छठ महापर्व और भी भव्य होगा।

वीकेंड पर हल्द्वानी में ट्रैफिक का पहरा, तीनपानी से काठगोदाम तक बदलेगा यातायात प्लान

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

वीकेंड पर पहाड़ों की ओर उमड़ने वाली पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने हल्द्वानी में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए नया डायवर्जन प्लान लागू किया है। शनिवार और रविवार को शहर से पहाड़ी क्षेत्रों की ओर जाने वाले वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा। वहीं 14 और 15 नवंबर को भारी वाहनों की आवाजाही पर भी सख्ती रहेगी। यातायात प्लान सुबह नौ बजे से रात दस बजे तक प्रभावी रहेगा।

बरेली रोड से पहाड़ जाने वाले वाहन: तीनपानी फ्लाईओवर से गोलापार रोड होते हुए नारीमन तिराहा काठगोदाम पहुंचेंगे।

रुद्रपुर से पहाड़ जाने वाले वाहन: पंतनगर तिराहा (दिनेशपुर मोड़) से नए राष्ट्रीय राजमार्ग-109 होते हुए लालकुआं, तीनपानी फ्लाईओवर, गौलापार रोड और नारीमन तिराहा से जाएंगे। हल्द्वानी शहर की ओर आ चुके वाहन गज्जा सेंटर से डायवर्ट होकर तीनपानी फ्लाईओवर और गौला रोड से नारीमन तिराहा पहुंचेंगे।

रामनगर और बाजपुर से आने वाले वाहन: कालाढूंगी नैनीताल तिराहे से मंगोली होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। 14 और 15 नवंबर को सुबह तीन बजे से रात 11 बजे तक यात्रा मार्ग पर भारी वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आवश्यक सेवाओं से जुड़े भारी वाहन जैसे सब्जी, फल, ईंधन, गैस और दूध के वाहन भी दोपहर दो बजे से रात 11 बजे तक यात्रा मार्ग पर नहीं चल सकेंगे। पर्वतीय क्षेत्र से हल्द्वानी आने वाले भारी वाहनों को सुबह तीन बजे से रात 11 बजे तक जनपद सीमा पर रोका जाएगा। शहर की ओर पहुंच चुके भारी वाहनों को नंबर एक बैंड से पीछे सड़क किनारे और पुलिस चौकी सलड़ी क्षेत्र में अमृतपुर मोड़ के अंदर पार्क कराया जाएगा। काठगोदाम में यातायात का दबाव बढ़ने पर दोपहर तीन बजे के बाद नैनीताल और भवाली से मैदानी क्षेत्रों की ओर आने वाले पर्यटक वाहनों को मस्जिद तिराहे से डायवर्ट किया जाएगा। ये वाहन नंबर एक बैंड और रूसी बाईपास द्वितीय से रूसी बाईपास प्रथम होते हुए कालाढूंगी के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

वीकेंड पर पहाड़ों का रुख करने वाले पर्यटक और स्थानीय वाहन चालक घर से निकलने से पहले डायवर्जन प्लान देख लें।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में एक की मौत, चार घायल

ऋषिकेश
हमारे संवाददाता



ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को एक स्कॉर्पियो और अर्टिगा कार के बीच आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। जिसमे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कई चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाब से आ रही स्कॉर्पियो ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर जा रही थी जिसमें सात व्यक्ति सवार थे। इसी दौरान श्रीनगर से ऋषिकेश की तरफ जा रही एक अर्टिगा कार से गंगा दर्शन होटल के पास उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुचकर स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। स्कॉर्पियो में सवार लोगों में से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेजाया गया है।

मुख्यमंत्री बाल सानिध्य योजना, हर महीने मिलेंगे तीन हजार रुपये

देहरादून। प्रदेश सरकार जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री बाल सानिध्य योजना शुरू करने करने जा रही है। प्रस्तावित इस योजना को एक दिसंबर से शुरू किया जा सकता है। जिसके तहत पात्र बच्चों को हर महीने तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रदेश के करीब छह हजार बच्चे इस योजना से लाभान्वित होंगे।

दरअसल, केंद्र सरकार की स्पॉन्सरशिप योजना के तहत जरूरतमंद बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से योजना में पात्र लाभार्थियों की संख्या सीमित कर दी गई है।

जेनी प्रकरण: असम से उत्तराखंड पहुंचेगी जांच

देहरादून
हमारे संवाददाता

जीरो एफआईआर के बाद पुलिस को नए सिरे से कर सकती है कार्रवाई



जेनी प्रकरण में जीरो एफआईआर दर्ज होने की सूचना के बाद जांच उत्तराखंड पुलिस को सौंपे जाने की संभावना है। जेनी ने चार नवंबर को वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी थी।

करीब 23 साल पुराने जेनी प्रकरण में अब असम से उत्तराखंड तक कानूनी कार्रवाई का नया रास्ता खुल सकता है। सूत्रों के मुताबिक असम में जीरो एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। अब इसे क्षेत्राधिकार के आधार पर उत्तराखंड पुलिस को हस्तांतरित किया जा सकता है। ऐसे में इस मामले में उत्तराखंड पुलिस की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाएगी। हालांकि, असम में जीरो एफआईआर दर्ज होने की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दरअसल, असम निवासी इंद्राणी देवड़ी उर्फ जेनी ने हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात कर न्याय की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने भी सोशल मीडिया पर जेनी के समर्थन में खड़े होने की बात कही है। इसके बाद असम में कानूनी कार्रवाई की संभावनाएं तेज हुई हैं।

मामले से जुड़े घटनाक्रम के अनुसार जेनी ने चार नवंबर को वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी थी। इसके बाद सात नवंबर को देहरादून प्रेस क्लब में उन्होंने पत्रकार वार्ता कर पूर्व में हुई जांच और डीएनए परीक्षण पर सवाल उठाए। छह नवंबर को उन्होंने उत्तराखंड के डीजीपी दीपम सेठ को भी शिकायत दी थी। इस शिकायत की जांच डोईवाला सीओ वंदना वर्मा को सौंपी गई है।

उत्तराखंड महोत्सव में गूंजा पहाड़ का लोक संगीत

16 कलाकारों ने दी भव्य झोड़ा नृत्य की प्रस्तुति

लखनऊ/नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित 12 दिवसीय उत्तराखंड महोत्सव में बीरवार को देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और पारंपरिक लोककलाओं की मनमोहक छटा देखने को मिली।

बता दें संगीत संस्कृति फाउंडेशन के तत्वावधान में एवं हरितिमा पंत के निर्देशन में बीरवार को 16 कलाकारों के दल ने उत्तराखंड के पारंपरिक झोड़ा लोकनृत्य की भव्य प्रस्तुति दी। पारंपरिक वेशभूषा, लोकसंगीत की मधुर धुनों और आकर्षक नृत्य शैली ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने अपने शानदार सामूहिक प्रदर्शन के माध्यम से देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत समेत लोक परंपराओं और पहाड़ी जनजीवन की सुंदर झलक मंच पर साकार की। इस प्रस्तुति में वागीशा, अनुराधा, तृप्ति, उर्मिला, नेहा, रुचि, राधा, दीपाली एवं ऊर्जित सहित कुल 16 कलाकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



कलाकारों के बेहतरीन तालमेल व पारंपरिक नृत्य शैली और सांस्कृतिक समर्पण ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। दर्शकों ने तालियों की गड?ढ़ाहट के साथ प्रस्तुति की भरपूर सराहना की। हरितिमा पंत के निर्देशन में आयोजित इस प्रस्तुति का मकसद उत्तराखंड की पारंपरिक लोककलाओं का संरक्षण एवं संवर्धन करना तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना है। कुल मिलाकर इस मनमोहक प्रस्तुति ने उत्तराखंड महोत्सव में पहाड़ की संस्कृति और परंपरा के रंग बिखेर दिए।



जल, जंगल व जमीन के सच्चे रक्षक थे डा. नारायण सिंह जंतवाल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखण्ड क्रांति दल के वरिष्ठ नेता डा. नारायण सिंह जंतवाल के असामयिक निधन से प्रदेश भर में शोक की लहर व्याप्त है। सरल व्यक्तित्व के सच्चे समाजसेवी का अचानक चले जाना अपूर्णीय सामाजिक और राजनैतिक क्षति है।

बता दें बीरवार को उनके निवास पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने जाकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि की और गहरा शोक प्रकट किया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या जी ने कहा कि उनके जाने से देवभूमि उत्तराखण्ड के जल, जंगल और जमीन ने अपने सच्चे रक्षक को खो दिया है। वे जीवनपर्यन्त नशामुक्ति व रोजगार और वनाधिकारों जैसे मुद्दों के लिए संघर्षरत रहे। उन्होंने कहा कि डा. जंतवाल ने कभी भी पार्टी राजनीति को अपने सामाजिक जीवन में आड़े नहीं आने दिया। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि जब वे विधान सभा अध्यक्ष थे तब विधान सभा में उनका अपने क्षेत्र की समस्याओं की जबरदस्त पैरवी करना मुझे हतप्रद कर देता था और पूरी सभा उनके विचारों को पूरे सम्मान के साथ श्रवण करती थी। उन्होंने कहा कि यूकेडी के संस्थापक सदस्य डा. जंतवाल का जीवन संघर्षपूर्ण रहा। इस शोकाकुल घड़ी में कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता और सदस्यगणों ने उनके पैतृक निवास पर जाकर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की तथा ईश्वर से पुण्य आत्मा की शांति की प्रार्थना की। इस अवसर पर डॉ0 केदार पलडिया, ईदर आर्या, नैनीताल नगरपालिका अध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल, जिला महिला कांग्रेस कमेटी की जिला ध्यक्ष खड़ी बिष्ट समेत मुन्नी तिवारी, विपिन सनवाल तथा भीमताल नगर अध्यक्ष सतीश रमटा व डीएच0 डालाकोटी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कमला आर्या ने भी ठोकी नैनीताल विस चुनाव के लिए ताल

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुसूचित मोर्चा तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष भीमताल कमला आर्या ने बीरवार को नैनीताल क्लब में प्रेस वार्ता की।

उन्होंने बताया कि वह नैनीताल विधानसभा से दावेदारी कर रही हैं। इससे पहले उन्होंने 2017 और 2022 में भी दावेदारी की थी। कहा कि सड़क व स्वास्थ्य सहित जो भी जनता के मुद्दे होंगे उन पर खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। कहा कि लड़की हूं लड़ सकती हूं और 33 प्रतिशत आरक्षण के नाते उन्हें उम्मीद है कि उनकी पार्टी यह निर्णय लेगी और उन्हें टिकट अवश्य देगी। कहा कि वह एक समर्पित कार्यकर्ता हैं और पार्टी जिसे भी टिकट देगी वह पूर्ण समर्थन करेंगी। कहा कि सरकार हर क्षेत्र में बहुत सारी जनकल्याणकारी योजना चल रही हैं। कहा को वह नैनीताल विधानसभा क्षेत्र में लगातार घूम रही हैं और देख रही हैं कि जनता उपेक्षित है। कहा कि सरकार कई सारी योजनाएं चल रही हैं लेकिन उसे धरातल पर उतारने के लिए एक सही मार्गदर्शन और सही कैंडिडेट होना चाहिए। कहा कि यदि प्रतिनिधि सही तरह से कार्य करने वाला हो तो सरकार के साथ लतालमेल कर हम जन अपेक्षाओं में खरा उतर सकते हैं।



NEWS / फटाफट

तल्लीताल क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े 30 वाहनों के चालान

नैनीताल। नगर के तल्लीताल क्षेत्र में सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। बीरवार को पुलिस ने सड़क किनारे खड़े 30 वाहनों के चालान किए। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था बाधित करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अब प्रतिदिन कार्रवाई की जाएगी। कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि अभियान के तहत 30 वाहनों के चालान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क पर यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए अब रोजाना अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

डीएलसी पत्र के उपयोग व पेंशन संबन्धी समस्याओं के समाधान हेतु कार्यशाला 17 को नैनीताल में

नैनीताल । राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवित प्रमाण (डीएल0सी0) पत्र अभियान के तहत पेंशनरों की सुविधा के लिए डीएल0सी0 के उपयोग को सुनिश्चित् करने तथा पेंशन संबन्धी समस्याओं के निराकरण हेतु कोषागार नैनीताल द्वारा 17 नवंबर (मंगलवार) को कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कोषाधिकारी सुश्री कमलेश भण्डारी ने कोषागार नैनीताल से पेंशन प्राप्त करने वाले समस्त पेंशनरों को सूचित करते हुए कहा कि जिन पेंशनरों को डीएल0सी0 पत्र जमा करने में तकनीकी समस्या आ रही है अथवा पेंशन से संबन्धित अन्य किसी प्रकार की समस्या है उससे संबन्धित पेंशन कार्यशाला का आयोजन कोषागार नैनीताल द्वारा 17 नवंबर (मंगलवार) को पूर्वाह्न 11 बजे से जिला कार्यालय सभागार नैनीताल में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियत तिथि को उपस्थित होकर पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर अपनी समस्या का आसानी से समाधान करा सकते हैं।

27 छात्रों का 6 दिनी रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण का आगाज



नैनीताल। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद पिथौरागढ़ द्वारा प्रायोजित हिमानी एडवेंचर द्वारा संचालित छह दिवसीय रिवर राफ्टिंग प्रशिक्षण गोरी व काली नदी में प्रारंभ हो गया है। हिमानी एडवेंचर के अध्यक्ष राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी ने कहा कि प्रशिक्षण का शुभारंभ उनके द्वारा चलाए गए पौधारोपण अभियान के 850वें दिन गोरी नदी के पास पेट्रोल पंप परिसर में पौधा रोपण सामाजिक कार्यकर्ता ललित पाल के नेतृत्व में किया गया। दिनेश गुरु रानी ने कहा कि 27 छात्रों को हैंडलिंग व तैराकी रिवर रन व आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई राफ्टिंग से पूर्व छात्रों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। छात्रों को हिमालय बचाओ अभियान के तहत नदी स्वच्छता शपथ दिलाई गई दिनेश गुरु रानी ने कहा कि यह प्रशिक्षण जारी रहेगा। प्रशिक्षण रिवर गाइड मनोहर सिंह ऐरी, विनोद धामी, पदम सिंह, राजेंद्र सिंह, अजय धामी, नवीन राना व दमन ने दिया।

अवैध फड़ लगाने वालों पर पुलिस का शिकंजा

नैनीताल । दिवाली से तल्लीताल क्षेत्र में सड़क किनारे बिना अनुमति फड़ लगाकर सामान बेच रहे लोगों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। सड़क किनारे दुकानें सजने से यातायात प्रभावित हो रहा था और राहगीरों को भी आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस पर पुलिस ने अभियान चलाकर अवैध रूप से लगाए गए फड़ों को हटवा दिया। कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि बिना अनुमति के अवैध रूप से लगाई गई दुकानों को हटवा दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क किनारे दोबारा दुकानें लगाकर यातायात व्यवस्था बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

नैनीताल-कालाढूंगी मोटर मार्ग में मंगली में पलटा पर्यटक वाहन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल-कालाढूंगी मोटर मार्ग में बीरवार को नैनीताल से रामनगर जा रही पर्यटकों की गाड़ी मंगोली के पास पलट गई। गाड़ी में 13 लोग सवार थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई। सभी लोग सुरक्षित हैं।

जानकारी के मुताबिक नैनीताल से रामनगर को जा रहे गाड़ी नंबर एचआर 56 सी-1444 के ब्रेक फेल होने से गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। गाड़ी पलटते ही मौके पर अफ रा-तफरी मच गई। आसपास से गुजर रहे लोगों और स्थानीय निवासियों ने तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई और सवारियों को गाड़ी से बाहर निकाला।मौके पर सभी सवारियों को प्राथमिक उपचार दिया गया। जांच में किसी को गंभीर चोट नहीं मिली। पर्यटकों का ग्रुप रामनगर



जा रहा था जहां उनकी बुकिंग थी। इसके बाद दूसरी गाड़ी से सभी लोग रामनगर स्थित रिजॉर्ट चले गए।

हादसे में गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है और शीशे भी टूट गए हैं। हादसे के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी बन गई जिसे बाद में सुचारु कराया गया।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि ब्रेक फेल होना हादसे की वजह माना जा रहा है। सभी पर्यटकों के सुरक्षित होने पर स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली।

कुविवि अंतर महाविद्यालय हैंडबॉल महिला/पुरुष प्रतियोगिता आयोजित

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेकनोलॉजी रुद्रपुर द्वारा बीरवार को 46वीं वाहिनी पीएसी के क्रीड़ा प्रांगण में कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता हैंडबॉल महिला/पुरुष का आयोजन कराया गया।

बता दें प्रतियोगिता में कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबन्धित महाविद्यालय एवं परिसर जिसमें राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर, एम बी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्द्वानी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर तथा डीएसबी परिसर नैनीताल की महिला एवं पुरुष टीम के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एएं सिंचाई विभाग भारत सिंह डांगी तथा पूर्व क्रीड़ाधिकारी कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल डॉ. नागेंद्र प्रसाद शर्मा द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग का पहला मैच काशीपुर तथा हल्द्वानी के मध्य खेला गया जिसमें हल्द्वानी ने काशीपुर को 20-2 से हराकर फ इनल में प्रवेश किया।



प्रतियोगिता के तहत पुरुष वर्ग का फ इनल मुकाबला हल्द्वानी तथा रुद्रपुर के मध्य खेला गया जिसमें रुद्रपुर ने हल्द्वानी को 34-200 से हराकर फाइनल में विजेता रही जबकि महिला वर्ग में पहला मुकाबला काशीपुर और रुद्रपुर के मध्य खेला गया जिसमें रुद्रपुर ने काशीपुर को 04-2 से हराकर फ इनल में प्रवेश किया। महिला वर्ग का फ इनल मैच रुद्रपुर तथा हल्द्वानी के मध्य खेला गया जिसमें हल्द्वानी ने रुद्रपुर को 11-3 से फ इनल में विजेता रही। प्रतियोगिता के समापन सत्र के अवसर पर मुख्य अतिथि आईपीएस सेनानायक 46वीं वाहिनी पीएसी रुद्रपुर पंकज भट्ट तथा प्राचार्य डॉ.संतोष त्रिपाठी तथा क्रीड़ाधिकारी कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल डॉ संतोष कुमार द्वारा समस्त विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सममानित किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में रघु रावत, दीप पंत,आशीष खाती एवं सुनील टमटा रहे। इस अवसर पर आरई गिरीश चंद्र जोशी,डॉ. ललित मोहन तिवारी, डॉ. सुरेंद्र सिंह, लोकेश पांडेय समेत समस्त खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

अभिमत

दलगत राजनीति से ऊपर

पक्ष-विपक्ष के बीच नोकझोंक के बावजूद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के गठन का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को देने के साथ ही उत्तराखंड राज्य के विकास की नींव रखने के लिए विकास पुरुष नारायण दत्त तिवारी की सराहना की जानी चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा स्वीकार करे कि एनडी तिवारी ने राज्य को मूर्तरूप दिया। राज्य गठन के बाद कांग्रेस और भाजपा सत्ता में रही हैं। यह सच भी स्वीकार करना होगा कि राज्य आंदोलनकारियों की अवधारणा के अनुरूप पर्वतीय राज्य का विकास नहीं होने के लिए दोनों ही पार्टियां जिम्मेदार हैं।

पिछले साल उत्तराखंड राज्य के गठन की रजत जयंती के उपलक्ष्य में विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्बोधन देवभूमि के स्वर्णिम इतिहास की उपलब्धि माना जाता है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष ने समस्याओं को लेकर परस्पर आरोप-प्रत्यारोप से हटकर राज्य के भविष्य के लिए ठोस रूपरेखा तैयार नहीं की, जबकि विशेष सत्र का उद्देश्य यही था। सत्तापक्ष-विपक्ष के बीच नोकझोंक के बावजूद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के गठन का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को देने के साथ ही उत्तराखंड राज्य के विकास की नींव रखने के लिए विकास पुरुष नारायण दत्त तिवारी की सराहना की जानी चाहिए। सत्तारूढ़ भाजपा स्वीकार करे कि एनडी तिवारी ने राज्य को मूर्तरूप दिया। राज्य गठन के बाद कांग्रेस और भाजपा सत्ता में रही हैं। यह सच भी स्वीकार करना होगा कि राज्य आंदोलनकारियों की अवधारणा के अनुरूप पर्वतीय राज्य का विकास नहीं होने के लिए दोनों ही पार्टियां जिम्मेदार हैं। विपक्ष में होने पर सरकार पर उंगली उठाने वाले अपनी सरकार के कामों को भूल जाते हैं। केन्द्र में जब भाजपा बीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी, तब नौ नवंबर, 2000 को उत्तराखंड राज्य का गठन किया गया। विधानसभा चुनाव में इसी मुद्दे पर भाजपा सत्ता हासिल करने में सफल होती है। कांग्रेस अपनी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए राज्य की पहली निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के कार्यों पर गर्व करती है। नारायण दत्त तिवारी को याद करके उनके योगदान को स्वीकार किया जाना चाहिए। उधर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए आरोप लगाया जाता है कि एनडी तिवारी की सरकार को अस्थिर करने के प्रयास कांग्रेस ने ही किये थे। यह आरोप काफी हद तक सही है। तिवारी सरकार का विरोध करने वालों की वर्तमान में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में गिनती होती है। राज्य का प्रशासनिक ढांचा तैयार करने का कठिन कार्य एनडी तिवारी के अनुभव से ही संभव हो सका। पिछड़े राज्य का कलंक मिटाने के लिए औद्योगिक क्रांति लाने का काम भी एनडी तिवारी की सूझबूझ और दूरदृष्टि का प्रतीक है। उत्तराखंड में औद्योगिक आस्थानों की स्थापना करके देश के बड़े उद्योग समूहों की इकाई स्थापित कराई और लाखों लोगों को प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से रोजगार मिला। देश के औद्योगिक मानचित्र पर उत्तराखंड का नाम अंकित हो गया। कटु सत्य यह है कि एनडी तिवारी के बाद कांग्रेस और भाजपा की कोई भी सरकार उनके काम के आसपास भी नहीं पहुंच सकी है। यदि उसी तरह काम होता तो युवा राज्य उत्तराखंड देश का विकसित और संपन्न प्रदेश हो जाता तथा पलायन की समस्या का समाधान हो जाता।

नैनीपीक ट्रैक पर गये युवक अर्णव का नहीं लगा सुराग

नैनापीक से पंगोट, गैरीखेत, कैमल्स बैक, पॉलीटेकनिक और नारायण नगर तक चला सर्च अभियान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल की नैना पीक ट्रैकिंग एक बार फिर चर्चा में है। दोस्तों के साथ घूमने आया युवक अर्णव कुमार सिंह (प्रिंस कुमार) सात दिन बाद भी लापता है। घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ी रास्तों में लगातार सर्च अभियान चलाने के बावजूद युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस, एसडीआरएफ व वन विभाग, डॉग स्क्वॉड और ड्रोन टीमों ने जंगल का चप्पा.चप्पा खंगाल लिया है लेकिन युवक का पता नहीं चलने से परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।



बता दे बीरवार को सातवें दिन भी संयुक्त टीमों ने व्यापक स्तर पर तलाश अभियान चलाया। नैनापीक के जंगलों से लेकर पंगोट, गैरिखेत, कैमल्स बैक, पॉलीटेकनिक क्षेत्र और नारायण नगर तक संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई। दुर्गम और संवेदनशील इलाकों में जवानों ने पैदल कॉबिंग की जबकि ड्रोन कैमरों की मदद से उन क्षेत्रों की निगरानी की गई जहां टीमों का पहुंचना मुश्किल है। डॉग स्क्वॉड की सहायता से भी संभावित रास्तों और जंगल के विभिन्न हिस्सों में तलाश की गई। इसके बावजूद कोई सफलता नहीं मिली। बिहार के मुंगेर जिले के पहरपुर निवासी अर्णव कुमार सिंह भीमताल स्थित ग्राफिक एरा कॉलेज का छात्र है। बीते 6 नवंबर को वह अपने तीन दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने आया था। इस दौरान चारों दोस्त चीना पीक की ट्रैकिंग पर निकले थे। शाम करीब पांच बजे अर्णव अचानक अपने साथियों से बिछड़ गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चलने पर दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद से ही लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इधर सात दिनों तक लगातार तलाश के बावजूद युवक का पता नहीं चलने से नैनापीक ट्रैक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। इससे पहले भी इस ट्रैक और आसपास के जंगलों में घूमने गए पर्यटकों और ट्रैकर्स के रास्ता भटकने के मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर नैनापीक जैसे लोकप्रिय ट्रैकिंग रूट पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं हैं? एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर एसपी डॉ. जगदीश चंद्र के मार्गदर्शन और सीओ अंजना नेगी के पर्यवेक्षण में अभियान चलाया जा रहा है। मल्लीताल कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में पुलिस की टीमें लगातार तलाश में जुटी हैं। दूसरी ओर नैनीताल वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन कार्की की माने तो हर माह सैकड़ों लोग नैनापीक के ट्रैक पर जाते हैं। दो तीन तिराहों व दो रास्तों पर ट्रैकर की सुविधा के लिए बोर्ड लगाए गए हैं साथ ही चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं ताकि पर्यटक इधर उधर जंगल में न भटकें।

नैनीताल में अंजुमन इस्लामियां के 15 को चुनाव

नैनीताल । नैनीताल में अंजुमन इस्लामियां के 23 सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतदान 15 नवंबर (रविवार) को होगा। चुनाव अधिकारी अबदुल हामिद के मुताबिक 23 सदस्यों के लिए 66 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

उन्होंने बताया कि चुनाव में 1700 मतदाता (सदस्य) अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान सुबह 9 बजे से लेकर शाम को 5 बजे तक मल्लीताल स्थित रजा कलब स्कूल में होगा। मतदान के बाद शाम को 6.30 बजे से मतगणना शुरू होगी जो देर रात चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगें। उन्होंने बताया कि एक मतदाता 23 लोगों को अपना मत दे सकता है जबकि कम से कम एक मत दे सकता है। मतदाता को अपने साथ आधार कार्ड, वोटर कार्ड,पांच साल पुरानी बैंक पास बुक या पासपोर्ट में से एक को मूल रुप में लाना जरुरी होगा तभी वह मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। बैलेट पेपर से किसी भी तरह की छेडखानी नहीं की जाएगी,ऐसा बैलेट पेपर पाए जाने की दशा में उसे मतगणना के दौरान निरस्त कर दिया जाएगा।

इलाज के इंतजार में टूट रही सांसें, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल, अब प्रसूता की मौत पर मचा हंगामा

निजी अस्पतालों का बिल गरीब परिवारों की कमर तोड़ रहा

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

कुमाऊं की स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र कहे जाने वाले हल्द्वानी में मरीजों की जिंदगी इलाज और व्यवस्था के बीच झूलती नजर आ रही है।

सरकारी अस्पतालों में इलाज की दुश्वारियां और निजी अस्पतालों के भारी-भरकम बिल आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। सुशीला तिवारी अस्पताल, महिला अस्पताल समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में आए दिन सामने आ रही मौतों की घटनाओं ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी बीच रामपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा हुआ। परिजनों का आरोप है कि गर्भवती महिला का बुधवार को बिना समुचित जांच के ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां गुरुवार देर रात उसकी हालत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन भड़क उठे। अस्पताल स्टाफ और परिजनों के बीच तीखी झड़प हुई और परिसर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित जांच और उपचार किया जाता तो महिला की जान बच सकती थी।



सूचना पर कोतवाली समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति संभाली। तड़के परिजन शव लेकर गोलापार स्थित अपने घर रवाना हो गए।

जिम्मेदारी किसकी, जवाब देगा कौन?

एक तरफ सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर गरीब मरीज हैं, दूसरी तरफ महंगे निजी अस्पतालों का बोझ। ऐसे में आम आदमी के सामने इलाज कराना भी चुनौती बनता जा रहा है। प्रसूता की मौत के मामले में परिजनों ने लापरवाही के आरोप लगाए हैं, जिनकी जांच होना जरूरी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

फिल्मी दुनिया

ये प्रेम मोल लिया: छठ से पहले रिलीज हुआ हिमेश रेशमिया का गाना



सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म ये प्रेम मोल लिया का नया गाना बुलाए छठी मां रिलीज हो गया है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है। गाने विजुअल और म्यूजिक काफी रियल और शानदार लग रहा है।

आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ की अदाकारी से सजी फिल्म ये प्रेम मोल लिया का पांचवां गाना बुलाए छठी मां रिलीज हो गया है। यह गाना छठ पर आधारित है। दिलचस्प बात यह है कि कल यानी 13 नवंबर से छठ का पर्व शुरू हो रहा है। इससे एक दिन पहले मेकर्स ने गाना रिलीज किया है।

गाने में छठ पर्व के शानदार विजुअल दिखाए गए हैं। इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। गाने को श्रेया घोषाल और केशव आनंद ने अपनी बेहतरीन आवाज दी है। इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है। लगभग तीन मिनट के गाने में शरवरी वाघ और आयुष्मान खुराना छठ पूजा करते हुए नजर आते हैं। गाने के विजुअल काफी रियल और शानदार लग रहे हैं। गाने में त्योहार के पलों की झलक दिखाई गई है। शरवरी और आयुष्मान खुराना को छठ पर्व मनाते दिखाया गया है। दोनों घाट पर जाकर सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं।

कब रिलीज होगी

- *फिल्म ये प्रेम मोल लिया सूरज बड़जात्या की अगली डायरेक्टोरियल फिल्म है।*
- *इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं।*
- *शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं।*
- *फिल्म की कास्ट में अनुपम खेर और अन्य कलाकार भी शामिल हैं।*
- *यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।*

नैनीताल में केक मिकसिंग के साथ शुरू हुई क्रिसमस की तैयारियां

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल में क्रिसमस की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बीरवार को प्रतिष्ठित होटल नैनी रिट्रीट में केक मिकसिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैलानियों समेत स्थानीय लोग शामिल हुए।

होटल के महाप्रबंधक डी.एस. जीना ने बताया कि नगर के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तीज त्यौहारों का आयोजन बेहद जरूरी है जिसमें क्रिसमस पर्व भी शामिल है जिसकी शुरुआत बीरवार से केक मिकसिंग से शुरू हो गई है। बता दें यूरोपीय देशों में केक मिकसिंग की परंपरा सदियों पुरानी मानी जाती है। केक मिकसिंग में किशमिश, बादाम, काजू, अखरोट व कैंडिड रूट्स और विभिन्न मसालों और अन्य पेय पदार्थों में मिलाकर रखा जाता है। इस मिश्रण को कई सप्ताह तक सुरक्षित रखा जाता है ताकि फ लों और मेवों का स्वाद केक में अच्छी तरह समा सके। क्रिसमस के दिन केक काटा जाता है। इस अवसर पर शैफ हरि परिहार, राकेश, शेफ एम.एस. नेगी, दीक्षा, अर्जुन, राजेंद्र, निर्मल बिष्ट, प्रकाश, मुकेश और शेफ महेंद्र, संजय कृष्णा, आर पी ज्याला, चंदन, एच.एस. राणा, सुरेश, श्यामू तथा राम मोहन कुमार, कमलेश, भुवन और काजोल समेत अहमदाबाद, सूरत, नोएडा व दिल्ली और लखनऊ से आए सैलानी भी शामिल हुए।



बेहतर योजना व सुदृढ़ आपदा प्रबंधन बेहद जरुरी: प्रो. संजय

देहरादून/नैनीताल

हमारे संवाददाता



अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधीर शैली द्वारा लिखित महत्वपूर्ण पुस्तक केदारनाथ ए डाकटर्स डायरी का विमोचन बीरवार को देहरादून स्थित दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर में किया गया। केदारनाथ आपदा केवल उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के इतिहास की एक बड़ी मानवीय त्रासदी है। इससे सीख लेते हुए भविष्य में ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए वैज्ञानिक योजनाए समय पर मौसम संबंधी चेतावनी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रभावी जनभागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी।

यह विचार पद्मश्री सममानित एवं अध्यक्ष एमस गुवाहाटी प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय ने देहरादून में डॉण् सुधीर शैली की पुस्तक केदारनाथ ए डाकटर्स डायरी के विमोचन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में व्यक किए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान मौसम की स्थिति की नियमित एवं स्थान.विशिष्ट जानकारी मौसम विभाग के समन्वय से टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से तीर्थयात्रियोंए स्थानीय निवासियों तथा संबंधित एजेंसियों तक पहुँचनी चाहिए। उन्होंने यात्रा मार्गों की भौगोलिक क्षमता के अनुसार प्रतिदिन यात्रियों की संख्या निर्धारित करनेए ऑनलाइन पंजीकरण को प्रभावी नियमन से जोडने तथा समयबद्ध यातायात व्यवस्था लागू करने पर बल दिया। डॉ. संजय ने कहा कि आपदा प्रबंधन में स्वास्थ्य सेवाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। चारधाम मार्गों पर पर्याप्त चिकित्सा केंद्र, प्रशिक्षित चिकित्सक, ऑसीजन, एंबुलेंस व आवश्यक दवाइयाँ और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था होनी चाहिए। दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात स्वास्थ्यकर्मियों को भी समुचित संसाधन एवं प्रशासनिक सहयोग मिलना आवश्यक है। उन्होंने जागरूकता को आपदा प्रबंधन की पहली सीढ़ी बताते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक, विशेषकर तीर्थयात्रियों व स्थानीय निवासियों तथा वाहन चालकों और स्वयंसेवकों को मौसम संबंधी खतरों, प्राथमिक उपचार तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी होनी चाहिए। जागरूकता और समय पर सही निर्णय अनेक अनमोल जीवन बचा सकते हैं। उन्होंने अपने 7 डी दृष्टिकोण, डॉयूमेंट, डिम्पले, डेमॉस्ट्रेट, डिसेमिनेट, डायलॉग, डिमीजन और डिलीवरी का उलेख करते हुए कहा कि अनुभवों का दस्तावेजीकरण तभी सार्थक है जब उनसे सीख लेकर ठोस निर्णय और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने डॉ. सुधीर शैली को इस महत्वपूर्ण पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि केदारनाथ त्रासदी को केवल इतिहास की पीड़ा नहीं बल्कि भविष्य की बेहतर तैयारी का स्थायी सबक बनाना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुधा रानी पांडेय पूर्व कुलपति उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गीता खन्ना उपस्थित रहीं। पुस्तक के लेखक डॉण् सुधीर शैली के साथ विशिष्ट अतिथियों में प्रोण् डॉ. बी के एस संजय, वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं साहित्यकार श्री अनिल रतूड़ी, पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार तथा डॉ. हरीश कोहली वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ शामिल रहे। उपस्थित गणमान्य अतिथियों में आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. डी डी चौधरी, डॉ. आलोक अहुजा, डॉ. मयंक जैन एवं डॉ. कला सहित चिकित्सा जगत के अनेक गणमान्य सदस्य व अतिथिगण एवं मीडिया प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भारती मिश्रा ने किया।

पिता की हत्या का बदला लेने को बनाया मां की हत्या का प्लान, सेना का जवान गिरफ्तार

हल्द्वानी/रामनगर

हमारे संवाददाता



तीन साल पुरानी दुश्मनी का बदला लेने के लिए एक बेटे ने ऐसी खूनी साजिश रची कि इंसानियत भी शर्मसार हो गई। पिता की हत्या का बदला लेने की सनक में भारतीय सेना के एक जवान ने दो साथियों के साथ मिलकर 56 वर्षीय विमला देवी को मौत के घाट उतार दिया। पहले घर से उठाकर बेरहमी से पीटा, फिर दाबका पुल के पास पानी में डुबोकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को वापस लाकर घर के बाहर फेंक दिया। नैनीताल पुलिस ने हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए सेना के जवान समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गुरुवार को एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने रामनगर कोतवाली में प्रेस वार्ता कर हत्याकांड की परतें खोलीं। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी मोहित फर्त्याल के पिता गोविंद सिंह की करीब तीन साल पहले हत्या हुई थी। इस मामले में विमला देवी के दोनों बेटे आरोपी बनाए गए थे और फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। इसी रंजिश को पालकर मोहित ने विमला देवी और उनके परिवार को खत्म करने की साजिश रच डाली। 10 नवंबर को किशनपुर छोई गांव में त्रिलोक सिंह बिष्ट के घर के बाहर विमला देवी का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतका के शरीर पर चोटों के निशान मिलने के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस और एसओजी की टीमों ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो तीन संदिग्ध महिला के साथ मारपीट कर उसे जबरन ले जाते और बाद में वाहन से शव घटनास्थल के पास फेंकते दिखाई दिए। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहित ने रामनगर के दो युवकों को अपने साथ मिलाया। तीनों विमला देवी के घर पहुंचे और डंडों तथा लोहे के पाने से उन पर ताबड़तोड़ वार किए। इसके बाद दाबका पुल के पास ले गए। वहां करीब आधे घंटे तक पानी में डुबोए रखा, जिससे उनकी मौत हो गई।

हत्या में इस्तेमाल सामान बरामद

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त वाहन संख्या यू के04 ए ए 6012, तीन डंडे, एक लोहे का पाना, एक पत्थर और अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं।

वारदात के बाद आरोपी शव को वापस लाकर घर के पास फेंककर फरार हो गए। मुख्य आरोपी उनके दोनों बेटों को भी रास्ते से हटाना चाहता था। पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहित फर्त्याल निवासी किशनपुर छोई को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। वहीं उसके साथी सैरान और मो. अब्बूजर निवासी खताड़ी, रामनगर को रेलवे मैदान के पास से उस समय गिरफ्तार किया गया।

एसएसपी ने हत्याकांड का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को दो हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

सीएमओ डा.पंत ने वर्चुअल बैठक लेकर दिए जरुरी दिशा निर्देश

नैनीताल

हमारे संवाददाता



जिले में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को निमोनिया से बचाव तथा बीमारी की शीघ्र पहचान एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एसएएएनएस अभियान 2026-27 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सीएमओ डॉ. रश्मि पंत की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले के समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, प्रमुख एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों तथा प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सीएमओ डा.पंत ने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं द्वारा अपने क्षेत्रों में से 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का गृह भ्रमण कर निमोनिया के लक्षणों की स्क्रीनिंग की जाए। खांसी, बुखार एवं सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण पाए जाने पर बच्चों को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य इकाई में संदर्भित किया जाए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य इकाइयों में निमोनिया के उपचार हेतु आवश्यक दवाइयों, आकसीजन, पल्स आकसीमीटर एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गंभीर बच्चों को बिना विलंब उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर र करने तथा रेफरल से पूर्व आवश्यक प्राथमिक उपचार मुहैया कराने पर भी जोर दिया।डॉ. पंत ने नियमित टीकाकरण के अंतर्गत बच्चों को पीसीवी की निर्धारित तीनों खुराक समय से लगाने, आशा एवं एएनएम का आवश्यक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों एवं ग्राम स्तर पर जन.जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए साथ ही माताओं को स्तनपान, उचित पोषणए स्वच्छता एवं निमोनिया के लक्षणों की जानकारी देने को कहा। सीएमओ डा.पंत के मुताबिक जनपद में 15 नवंबर से न्यूवॉर्न वीक का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल, शीघ्र स्तनपान व छह माह तक केवल स्तनपान व नवजात शिशुओं में खतरे के लक्षणों की पहचान एवं समय पर उपचार के प्रति स्वास्थ्य कर्मियों और अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा।

लगातार ठंड बढ़ते ही नैनीताल में अस्थमा के मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

नैनीताल

हमारे संवाददाता



नैनीताल में लगातार गिरते तापमान और बढ़ती ठंड का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखने लगा है। दिवाली के बाद खासकर अस्थमा (दमा) के मरीजों के लिए ठंड का मौसम मुसीबत बन रहा है। ठंडी हवाओं और तापमान में उतार.चढ़ाव के चलते सांस संबंधी दिक्कतें बढ़ने लगी हैं। इसका असर बीडी पांडे जिला अस्पताल की ओपीडी में भी देखने को मिल रहा है। यहां इन दिनों रोजाना 20 से 30 अस्थमा के मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें पुराने मरीजों के साथ सांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले नए मरीज भी शामिल हैं।

सेहत

- बीडी पाडे अस्पताल में रोज पहुंच रहे 20 से 30 मरीज
- तापमान में गिरावट और ठंडी हवाओं से सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ी

अस्पताल में पहुंच रहे मरीजों को चिकित्सकों की ओर से उपचार देने के साथ ही ठंड से बचाव और नियमित दवाओं के सेवन की सलाह दी जा रही है। चिकित्सकों का कहना है कि सर्द मौसम में ठंडी हवा सांस की नलियों को प्रभावित कर सकती हैए जिससे अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में परेशानी, खांसी व सीने में जकड़न और सांस फूलने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। अस्पताल के वरिष्ठ फि जिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि ठंड के मौसम में अस्थमा के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। सुबह और देर शाम ठंड अधिक होने के कारण अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए। बाहर निकलते समय मुंह और नाक को गर्म कपड़े से ढककर रखें। चिकित्सक की सलाह के अनुसार नियमित दवाओं और इनहेलर का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि सांस लेने में अधिक परेशानी होने पर लापरवाही न बरतें और तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें। बताया कि ठंड के मौसम में अस्थमा के मरीजों को धूल व धुएं और प्रदूषण से भी बचने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि दिक्कत कम होने पर भी अपनी दवाएं बंद न करें और नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच कराते रहें।

नैनीताल की मॉल रोड में फास्टैग व्यवस्था हुई बहाल

नैनीताल। नैनीताल की माल रोड पर यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए टोल बैरियर पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए बीरबार से एक बार फिर फास्टैग व्यवस्था को बहाल कर दिया गया है।

बता दें मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष व युवा समाजसेवी पुनीत टंडन ने बीते दिवस प्रेस को जारी बयान में आरोप लगाया था कि माल रोड में फास्टैग के नाम पर प्रशासन केवल दिखावा कर रहा है।

नैनीताल के राजपुरा में वन विभाग ने लगाए ट्रैप कैमरे

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल शहर के राजपुरा कंपाउंड में गुलदार की लगातार आवाजाही से दहशत के बीच वन विभाग ने इलाके में ट्रैप कैमरे लगा दिए।

डीएफ ओ नैनीताल आकाश गंगवार ने बताया कि गुलदार को ट्रैक करने के लिए 2 कैमरे लगाए गए हैं जल्द ही और ट्रैप कैमरे इलाके में लगाए जाएंगे ट्रैप कैमरे लगाने वाली टीम में वन बीट अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत तथा दीपिका भंडारी रहे, टीम में रजत कुमार व देवेंद्र कुमार और नंदन सिंह भी मौजूद रहे। टीम ने बताया कि एक कैमरा वहां लगेगा जिनके घर के आगे से गुलदार कुत्ते को लेकर गया था। दूसरा कैमरा ऊपर उस जगह लगेगा जहां से गुलदार आता है। बता दें राजपुरा में 28 व 29 अक्टूबर को गुलदार सीसीटीवी कैमरे में दिखा था। अब दिवाली के मौके पर गुलदार फिर 9 व 10 नवंबर की रात देखा गया है। लगातार गुलदार का आतंक बना हुआ है।बीते दिनों राजपुरा निवासी संजय आर्या के घर से गुलदार कुत्ते को उठा ले गया था जिसके बाद लगातार गुलदार राजपुरा इलाके में देखा जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में एक नहीं बल्कि दो गुलदार घूम रहे हैं। दिलावर ने बताया कि उनके घर के सीसीटीवी में रोज गुलदार दिख रहा है। अलग.अलग समय पर दो अलग गुलदार देखे गए हैंए जिससे डर और बढ़ गया है। इस बीच डीएफ ओ आकाश गंगवार ने कहा कि रात्रि के समय बच्चों को अकेले बाहर न जाने दें और घरों के पास झाड़ियां पनप रही हैं तो उन्हें काटें। रेंजर ललित मोहन कार्की ने बताया कि अनुमति मिलने के बाद वहां पर पिंजरा भी लगाया जाएगा।

बदहाल सूरत बदलने का जिम्मा नई नगर आयुक्त पर, पहले दिन ही गिनाईं प्राथमिकताएं

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता



शहर की सड़कों पर अतिक्रमण, जगह-जगह गंदगी, सीवरेज की समस्या और बिगड़ती यातायात व्यवस्था के बीच नई नगर आयुक्त आईएएस आशीमा गोयल ने गुरुवार को कार्यभार संभाल लिया। कुर्सी संभालते ही उन्होंने शहर की उन समस्याओं को प्राथमिकता में रखने का संकेत दिया, जिनसे शहरवासी लंबे समय से जूझ रहे हैं।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम का मकसद सिर्फ शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान करना होगा। आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए निगम कार्यालय के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए शिकायत निस्तारण व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाएगा।

अतिक्रमण और ट्रैफिक पर भी कार्रवाई की तैयारी: शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ते अतिक्रमण तथा अव्यवस्थित यातायात को भी उन्होंने बड़ी चुनौती बताया। सड़क, सीवरेज और सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त बनाने पर जोर रहेगा।

जनता से सहयोग की अपील: आशीमा गोयल ने कहा, शहर भी हमारा है और सम्मानित जनता भी हमारी है। उन्होंने स्वच्छ और सुंदर हल्द्वानी बनाने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की। उनका कहना है कि शहर का विकास केवल नगर निगम के भरोसे संभव नहीं, इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

अब शहर को इंतजार काम का है, वादों का नहीं। सड़कों की बदहाली, कूड़े के ढेर, अतिक्रमण और सीवरेज जैसी समस्याओं पर नई नगर आयुक्त की कार्ययोजना कितनी जमीन पर उतरती है, इसका जवाब आने वाले दिनों में शहरवासियों को मिलेगा।

गौलापार में कूड़े के पहाड़ से मिलेगी मुक्ति

गौलापार ट्रेंचिंग ग्राउंड में जमा पुराने कूड़े (लेगेसी वेस्ट) और रोजाना निकलने वाले कचरे के निस्तारण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए दूसरी मशीन भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने कूड़ा निस्तारण की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की बात कही।